हिन्दी विभाग

उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद

एम.ए. प्रथम वर्ष, पाठ्यक्रम

सेमिस्टर -1

कोर पेपर -I

हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग-१

(आदिकाल, मध्यकाल एवं रीतिकाल)

इकाई -१	साहित्य का इतिहास दर्शन साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामंकरण हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा
इकाई -२	आदिकाल-आदिकालीन परिस्थितियाँ सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, धार्मिक सिद्ध एवं नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, आरंभिक गद्य एवं लौकिक साहित्य अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, भाक्तिकाव्य की पूर्व पीठीका
इकाई -३	भक्तिकाल, भक्ति आंदोलन का उदय, सामाजिक सांस्कृतिक कारण, भक्तिकाल सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि, प्रमुख निर्गुण सगुण सम्प्रदाय, अलवार संत प्रमुख सम्प्रदाय
इकाई -४	संत काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि कबीर, नानक, रैदास अन्य संत काव्य की विशेषताएँ हिन्दी सुफी काव्य का वैचारिक आधार हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य, मुल्लादाउद, कुतुबन, जायसी व अन्य सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप
इकाई -५	हिन्दी कृष्णकाव्य :- विविध संप्रदाय, वल्लभ संप्रदाय, निम्बार्क संप्रदाय, राधा वल्लभ संप्रदाय, सखी संप्रदाय व अन्य हिन्दी राम काव्य :- विविध संप्रदाय, रामभक्ति शाखा के कवि और उनका काव्य तुलसी व अन्य रीतिकाल :- सामाजिक सांस्कृतिक परीप्रेक्ष्य, रीतिकवियों का आचार्यात्व, रीतिमुक्त काव्य धारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि केशव, बिहारी, घनानन्द व अन्य

संदर्भ ग्रंथ

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वारानासी

२. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई

३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादक डॉ.नगेन्द्र नैशनल पब्लिशिंग हॉउस, नई दिल्ली

४. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ.विजयेंद्र सनातक, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

६. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

७. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ.गणपति चंद्रगुप्त, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली

८. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ.बच्चन सिंह राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

हिन्दी विभाग

उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद

एम.ए. प्रथम वर्ष, पाठ्यक्रम

सेमिस्टर -1

कोर पेपर -II

हिन्दी का प्राचीन एवं मध्यकालिन काव्य

इकाई -१	कबीर :- साखी पद -१० सदगुरू की महिमा को अंग, सुमिरन भजन महिमा को अंग, साधु महिमा को अंग, दिनता विनता को अंग, तुसलीदास :- विनय पत्रिका १३७ से १४६ पद सूरदास :- भ्रमरगीत सार - पहले ५ पद बिहारी :- बिहारी नवनीत(संपादक एम.के जैन) पद संख्याः १,६,७,८,१०,११,१३,१५,१८,२०, घनानन्द :- पहले ५ पद (नागरी प्रचारणी सभा) रसखान :- पहले ५ पद (नागरी प्रचारणी सभा)
इकाई -२	कबीर :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन तुलसीदास :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन
इकाई -३	बिहारी :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन घनानन्द :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन
इकाई -४	सूरदास :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन रसखान :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन
इकाई -५	मलिक मोहम्मद जायसी :- आलोचनात्मक अध्ययन मीरा बाई :- आलोचनात्मक अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ

१. भक्ति का सामाजिक दर्शन - प्रेम शंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
२. जायसी और उनका काव्य - डॉ.इकबाल अहमद, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
३. पद्मावत का अनुशीलन - इंद्रचंद्र नागर, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
४. कबीर मिमांसा - डॉ.रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
५. तुलसी की साहित्य साधना - ललन राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
६. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
७. सूदरदास - हरभानलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
८. तुलसीदास - विश्वनाथ तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
९. जायसी एक नयी दृष्टि - डॉ.रघुवंश, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१०. सूरसागर में अंतरकथाएँ : एक अनुशीलन - डॉ.शुभदा वाजपे, मिलन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. घनानन्द का काव्य - डॉ.रामदेवशुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१२. घनानन्द की काव्य साधना - सभापति मिश्र, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली
१३. बिहारी का नव्य मूल्यांकन - डॉ.बच्चन सिंह लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१४. बिहारी सतसई : सांस्कृतिक सामाजिक संबंध - डॉ.विजेन्द्र कुमार सिंह लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१५. मीरा का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१६. भक्ति काव्य यात्रा (कबीर-जायसी-सूर-तुलसी-मीरा के संदर्भ में) लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१७. रीतिकालीन भारतीय समाज - डॉ.शशी प्रभा प्रसाद, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१८. रीतिकालीन काव्य में भक्तितत्व - डॉ.उषापुरी - नैशनल पब्लिशिंग हॉउस, नई दिल्ली
१९. मीरा काव्य में गीती काव्य तत्व विवेचन - माधुरीनाथ, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली